[भी श्रमा सिंह गुलकन] कोई प्रनुमान नहीं बेजे थे। साल्ट लेक पर एक फुटबाल व एथलेटिक्स स्टेडियम के निर्माण की परियोजना की लागत का धनुमान ही 20 करोड़ रुपये लगाया गया

जो कुठ उत्पर बताया गया है, उससे यह स्पष्ट है कि लॉक सम्रा के 31-7-78 के तारांकित प्रश्नसंख्या 211, जिसमें यह सूचना मांगी गई थी कि क्या पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता में वर्ष 1982 में एशियाई खेलों का प्रायोजन करने का पस्ताब प्रधान मंत्री को घाठ महीने पूर्व हो भेज दिया है, के सम्बन्ध में दिया गया न गरात्मक उत्तर तथाँ के धनुसार सही है भीर इसलिए माननीय सदन की मेरे द्वारा गुमशह करने के प्रयास का कोई प्रश्न नहीं है। श्रीसमर मुखर्जी, जिन्होंने तारांकित प्रश्न संख्या 211 का नोटिस दिया था, यदि 31-7-78 की प्रक्लीलर काल के दौरान लोक सभा में उपस्थित होते तो सारी स्थिति स्पष्ट हो गई होती भीर प्रश्नका उत्तर पूरक प्रश्नों के साथ दे विया गया होता ।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Sir, let us congratulate the Minister for his maiden performance, but the question is that it is a very serious matter. After I gave a privilege notice, you were good enough to admit it under Direction and give him an appropriate and sive him and s 115 and give him an opportunity to explain. In my statement, I have given full particulars. He says that the Chief Minister's proposal is not the Government's proposal.

MR. DEPUTY-SPEAKER : You can take it up in some other form.

भी उपयोग (देवरिया): म एक लाइन का एक ध्यवस्था का प्रक्रन उठाना चाहता हं। सरकारी विभागों के मंत्रा-लवों की जो रिपॉट यहां सबन की मेख पर रखी जाती हैं वे हिन्दी भीर भवेजी दोनी

में रखी जाती हैं। अभी आई के सामने लोक लेखा समिति धीर शायकलन समिति की दर्जनों रिपॉर्टे रखी गई हैं । वे सभी समेवी में एकी गई है। हिन्दी में एक भी नहीं रखी गई है। बाप इसकी व्यवस्था कर वें कि मंत्रेची भीर हिन्दी दोनों में रखी जाएं। जिन मननीय ·सदस्यों को संग्रेषी नहीं शाली है ने इसकी कैसे पहेंचे?

Direction 115

उपाञ्यक महोदय । हिन्दी में भी छपाई जारही हैं। हिन्दी में भी भाषको मिल जाएगी ।

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayin-kil): On a point of order, Sir. Under Direction 115, when we give a notice, usually the Speaker will ask for the comments of the Minister and Inform us about them. The Speaker has to go through the statement submitted by through the statement submitted the Minister and he has to be satisfied. Only then he can allow him to make a statement. Mr. Somnath Chatterjee has now raised a very relevant point, viz. whether the contention of the Minister is that a Chief Minister is not part of the Government. I would like to know whether you are satisfied.

MR. DEPUTY-SPEAKER : It is not a point of order. It is not a ques-tion of my satisfaction. Mr. Ravi, it is for Mr. Somnath Chatteries to decide

12. 00 hrs.

MERCHANT SHIPPING (AMEND-MENT) BILL.

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTERY OF SHIPPINGAND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to a mend the Merchant Shipping Act, 1958.

MR. DEPUTY SPEAKER: The auestion is: "That leave be granted to introduce of Bill further to amend the Marchant Shipping Act, 1958"

The motion was adopted.

SHRI CHAND RAM: Sir, I introduce the Bill.

Published in Gazette of India Extra-ordinary, Part II Section 2, dated 31-8-78-